**भारत सरकार**

**कृषि मंत्रालय**

**कृषि एवं सहकारिता विभाग**

**राज्‍य सभा**

**तारांकित प्रश्‍न सं. 28\***

**06 दिसंबर,2013 को उत्‍तरार्थ**

**विषय: आधुनिक कृषि प्रौद्योगिकी के लाभ।**

**\*28 डा. वी. मैत्रेयन:**

 **क्‍या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:**

1. सरकार ने आधुनिक कृषि प्रौद्योगिकी के प्रयोग से होने वाले लाभों को छोटे और सीमान्‍त किसानों तक पहुंचाने के लिए क्‍या–क्‍या उपाय किए हैं;
2. लाभान्वित होने वाले और लाभान्वित न होने वाले राज्‍यों सहित तत्‍संबंधी ब्‍यौरा क्‍या है; और
3. विशेष रूप से छोटे और सीमान्‍त किसानों में समुचित जानकारी/ज्ञान के प्रचार-प्रसार हेतु कृषि विस्‍तार योजनाओं को पुनरुज्‍जीवित करने में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और अन्‍य कृषि संस्‍थान/विश्‍वविद्यालय कहां तक प्रभावी रहे हैं?

**उत्‍तर**

**कृषि मंत्री (श्री शरद पवार)**

1. **से (ग):** विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

**राज्‍य सभा में आधुनिक कृषि प्रौद्योगिकी के लाभों के संबंध में डा. वी. मैत्रेयन द्वारा 6 दिसम्‍बर, 2013 को पूछे गए तारांकित प्रश्‍न संख्‍या 28 के भाग (क) से (ग) के उत्‍तर में उल्लिखित विवरण।**

**(क) से (ख):** सरकार ऐसे विभिन्‍न केंद्रीय प्रायोजित और केंद्रीय क्षेत्रक की स्‍कीमों का कार्यान्‍वयन करती है जिनमें छोटे और सीमान्‍त किसानों हेतु सहायता का अधिमान्‍य प्रतिमान है अथवा ये स्‍कीमें छोटे और सीमान्‍त किसानों में से लाभानुभोगियों के लिए संसाधनों का कुछ न्‍यूनतम प्रतिशत निर्धारित करने पर जोर देती है। केंद्रीय प्रायोजित स्‍कीम “विस्‍तार सुधारों हेतु राज्‍य विस्‍तार कार्यक्रामों को समर्थन” (एटीएमए) संसाधन विहीन परिवारों के लिए लक्षित आर्थिक रूप से व्‍यवहार्य और सिद्ध प्रौद्योगिकियों का प्रचार प्रसार करती है। एटीएमए, मास मीडिया और किसान कॉल केंद्र (केसीसी) स्‍कीमों को हाल ही में इस तरह पुनरुज्‍जीवित सुदृढ किया गया है कि वह उचित प्रौद्य‍ोगिकियों की संगतसूचना के प्रसार तथा उसे अपनाए जाने के लिए सभी किसानों (छोटे और सीमान्‍त किसानों सहित) तक पहुंचे। फसलों और कृषि पद्धतियों और उनकी अवस्थिति और अधिमान्‍यता के संबंध में उनकी स्‍थानीय भाषाओं में किसानों को सूचना भेजने तथा सलाह देने के लिए किसानों हेतु एक राष्‍ट्र व्‍यापी पोर्टल ने सभी विभागों और संगठनों को समर्थ बनाया है। कृषि एवं समवर्गीय क्षेत्रों में सरकार की स्‍कीमों और कार्यक्रमों के लाभ सभी राज्‍यों तक पहुंच गए हैं।

**(ग):**  राज्‍य कृषि विश्‍वविद्यालयों में विस्‍तार निदेशालय किसानों हेतु सार्थक सामग्री के प्रकाशन और विस्‍तार कार्मिकों के प्र‍शिक्षण सहित कृषक सलाहकारी सेवाएं देते हैं। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीआर) संस्‍थान के पास भी अपने विस्‍तार पहुंच कार्यक्रम हैं। राष्‍ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रणाली द्वारा सृजित कृषि प्रौद्य‍ोगिकियों/उत्‍पादों के मूल्‍यांकन, परिसंस्‍करण और प्रदर्शन के लिए कृषि विज्ञान केंद्र विभिन्‍न फसलों हेतु खेतों पर परीक्षण और फ्रंटलाइन प्रदर्शन करते हैं तथा साथ ही किसानों और विस्‍तार कार्मिकों को प्रशिक्षण प्रदान करते हैं।

**----**